भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : **3035**

दिनांक 11 जुलाई , 2019 / 20 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

<u>विमानपत्तनों द्वारा हरित ऊर्जा का उपयोग</u>

3035. श्री थोमस चाज़िकाडन:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि कोचीन अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन लिमिटेड (सीआईएएल) देश में एक बड़ी हरित ऊर्जा कंपनियों में से एक है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी अधिष्ठापित क्षमता, विद्युत उत्पादन की मात्रा और प्रतिदिन विद्युत उपभोग कितना है;

(ग) क्या सरकार ने देश में किसी विमानपत्तन को उनकी संबंधित विद्युत उपभोग में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सौर ऊर्जा समर्थित प्रचालन हेतु सीआईएएल जैसे मॉडल को अपनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार का हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रोत्साहन प्रदान करने का विचार है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने पूर्ण रूप से स्वच्छ नवीनीकरण संसाधनों द्वारा समर्थित विमानपत्तन द्वारा बचाए गए कार्बन उत्सर्जन को मापने के लिए कोई अध्ययन किया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

<u>नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)</u>

(क) तथा (ख): जी, हां। कोचिन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (सीआईएएल) को अगस्त, 2015 में विश्व के प्रथम सौर ऊर्जा चालित हवाईअड्डे का दर्जा प्राप्त हुआ है। इसकी संस्थापित क्षमता 40 मेगावाट पीक (MWp) ऊर्जा उत्पति परिमाण का प्रतिदिन औसत 1.6 लाख यूनिट है तथा प्रतिदिन ऊर्जा खपत का औसत 1.5 यूनिट है।

(ग) तथा (घ): भारत सरकार की ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में कमी लाए जाने से संबंधित नीति के अनुसरण में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा अपने विभिन्न हवाईअड्डों के लिए कोचिन हवाईअड्डे के अनुरूप मॉडल अंगीकार करके कोलकाता हवाईअड्डे के 15 मेगावाट ऊर्जा संयंत्र सहित 38.787 मेगावाट ऊर्जा की क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए हैं। इसके अलावा, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा सौर ऊर्जा के माध्यम से प्राप्त नवीकरणीय ऊर्जा से प्रचालन करने के लिए हुबली, बेलगावी तथा मंगलूर हवाईअड्डों का निर्धारण किया गया है।

(ङ): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा स्वच्छ नवीकरणीय संसाधनों द्वारा सेवित कार्बन उत्सर्जन के मापन के लिए कोलकाता, वाराणसी, भुवनेश्वर तथा तिरूवनंतपुरम हवाईअड्डों पर एसीआई-एसीए (एयरपोर्ट काउसिंग इंटरनेशनल – एयरपोर्ट कार्बन एक्रीडिएशन) कार्यक्रम के अंतर्गत हवाईअड्डा ग्रीन हाउस गैर उत्सर्जन प्रबंधन प्रारम्भ किया गया है। विभिन्न हवाईअड्डों पर लगभग 8,71,00,000 यूनिट की उत्पति करके कुल 78,000 टन कार्बन उत्सर्जन की बचत की गई है।

*****